दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:१९४ | मुंबई, मंगलवार १६ दिसंबर २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

बिहार में डॉक्टर नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नितीश कुमार ने मुस्लिम महिला को किया बेईज्जत

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी 'अप्रत्याशित हरकतों' की वजह से कई बार चर्चा में आ जाते हैं। इसी कड़ी में उनका एक और चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया

है। ये घटना 1283 आयुष डॉक्टरों (आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक और यूनानी) को नियुक्ति पत्र सौंपने के कार्यक्रम के दौरान हुई। मंच पर मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत कई वरिष्ठ मंत्री मौजूद थे। जब महिला डॉक्टर नुसरत परवीन नियुक्ति पत्र लेने आईं, तो नीतीश कुमार ने सबके सामने अजीबोगरीब कर डाला। जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर अजीबोगरीब सन्नाटा छा गया। हालांकि, कुछ अफसरों के चेहरे पर मुस्कुराहट भी दिख रही थी।

सबके सामने हुई चौंकाने वाली घटना

वीडियो में साफ दिख रहा है कि नियुक्ति पत्र देने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला डॉक्टर नुसरत परवीन से पूछा, 'ये क्या लगाए हो?' और तुरंत उनका हिजाब खींच दिया। मुख्यमंत्री की ये हरकत इतनी अप्रत्याशित थी कि महिला डॉक्टर और मंच पर मौजूद अन्य लोग स्तब्ध रह गए। ये पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया है।

कांग्रेस-RJD ने की तीखी आलोचना

कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'ये बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। इनकी बेशर्मी देखिए- एक महिला डॉक्टर जब अपना नियुक्ति पत्र लेने आई तो नीतीश कुमार ने उनका हिजाब खींच लिया। बिहार के सबसे बड़े पद पर बैठा हुआ आदमी सरेआम ऐसी नीच हरकत कर रहा है।

'जी राम जी' के बहाने महात्मा का नाम हटाया या मनरेगा को ही खत्म कर दिया?

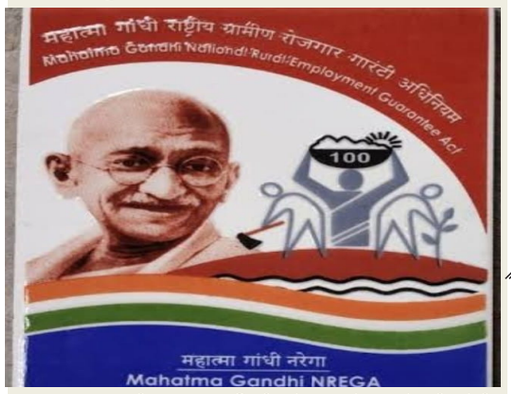

महात्मा गांधी का नाम किसी योजना से हटाने की मोदी सरकार ही सोच सकती है। क्या गांधी से इतनी नफरत हो सकती है कि नाम हटा दिया जाए। लोग सवाल न पूछें इसलिए नए नाम को इस तरह से सजाए जाए कि पढ़ने में जी-राम-जी लगे। जी राम जी का नाम लेकर अगर इस योजना को मनरेगा से बेहतर किया गया होता तब भी एक बात होती लेकिन इस योजना का जो मूल स्वरुप था जो आपको काम मांगने का कानूनी अधिकार देता था, वही खत्म कर दिया गया है। अब इसमें एक नई गारंटी दी गई है कि साल में 60 दिन काम नहीं दिया जाएगा।

महाराष्ट्र में नगर पालिका सत्ता की लड़ाई शुरू, मनपा चुनावों का बजा बिगुल

राज्य में आचार संहिता लागू, आठ साल बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल

सईद शेख

मुंबई। महाराष्ट्र में नगरसेवकों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद करीब तीन साल से लंबित पड़े महानगर पालिका चुनावों को लेकर आखिरकार तस्वीर साफ हो गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने चुनाव कार्यक्रम घोषित करते हुए साफ कर दिया है कि अब स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में जनता की भागीदारी का रास्ता खुल गया है। 29 महानगरपालिकाओं में 15 दिसंबर से आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है और चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि सभी महानगर पालिका चुनाव 31 जनवरी से पहले पूरे करा लिए जाएं। चुनाव आयोग के अनुसार, बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका) सहित सभी 29 नगर निगमों में मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि 16 जनवरी को मतगणना कर नतीजे घोषित किए जाएंगे। राज्यभर में कुल 10,111 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। मतदाता सूची के लिए 1 जुलाई 2025 की वोटर लिस्ट को आधार माना जाएगा। बीएमसी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। उम्मीदवार 2 जनवरी 2026 तक नाम वापस ले सकेंगे और 3 जनवरी तक चुनाव चिन्हों का आवंटन कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया तय समयसीमा में पूरी की जाएगी और किसी तरह की प्रशासनिक ढिलाई नहीं बरती जाएगी। बीएमसी देश की सबसे अमीर नगरपालिकाओं में शामिल है और महाराष्ट्र की राजनीति में इसकी भूमिका हमेशा निर्णायक रही है। यही वजह है कि बीएमसी चुनावों को सत्ता संतुलन और राजनीतिक ताकत की दिशा तय करने वाला माना जाता है। चुनाव की घोषणा के साथ ही सभी प्रमुख दल रणनीति,

उम्मीदवार चयन और गठबंधन की गणनाओं में जुट गए हैं। आचार संहिता लागू होते ही सरकारी घोषणाओं और नई योजनाओं पर रोक लग गई है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराने का भरोसा दिलाया है। जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय कर सुरक्षा और मतदान व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कुल मिलाकर, तीन साल के लंबे इंतजार के बाद नगर निगम चुनावों की घोषणा ने महाराष्ट्र की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। पुराने दिग्गजों की बेचैनी और नए दावेदारों का उत्साह–आने वाले हफ्तों में यह मुकाबला और ज्यादा रोचक होने वाला है, खासकर

आठ साल बाद चुनाव, बदला सियासी माहौल

मनपा में नगरसेवकों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद करीब तीन साल से चुनाव टलने के कारण स्थानीय राजनीति की जमीन पूरी तरह बदल चुकी है। पूर्व पार्षदों के लिए यह चुनाव आसान नहीं माना जा रहा। लंबे अंतराल के चलते कई पूर्व नगरसेवकों का जमीनी संपर्क कमजोर पड़ गया है, संगठन बिखरे हैं और वार्ड स्तर पर पकड़ पहले जैसी नहीं रही। अब जब चुनाव बेहद कम समय में हो रहा है, तो प्रचार के लिए भी सीमित वक्त मिलने से कई पुराने चेहरे बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। अचानक हुए चुनाव ऐलान ने उनकी रणनीति और तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नए दावेदारों में उत्साह

वहीं, पहली बार नगरसेवक बनने की चाह रखने वाले उम्मीदवारों के लिए यह ऐलान किसी राहत से कम नहीं है। लंबे समय से चुनाव का इंतजार कर रहे नए चेहरे अब सक्रिय हो गए हैं। पालिका में जाने की तैयारी कर रहे युवाओं और नए सामाजिक कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। उन्हें लगता है कि बदले हुए हालात में जनता नए विकल्पों की ओर भी देख सकती है।

कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक मोहसिन हैदर ने फायनल चुनाव की तारीख के ऐलान पर सुप्रीम कोर्ट का आभार प्रकट किया और कहा कि सरकार तो नहीं चाहती थी, कि महानगर पालिका चुनाव हो लेकिन कोर्ट के दबाव में उन्हें मजबूरन कराना पड़ा। पिछले कई सालों से महाराष्ट्र की जनता इसका इंतजार कर रही थी, अब 15 तारीख को जनता अपना बहुमूल्य मत देकर मूंह तोड़ जवाब देगी और अपना पसंदीदा नेता चुनकर महानगरपालिका भेजेगी।

महायुति साथ चुनाव लड़ने को तैयार; MNS को लेकर MVA में तकरार! जानें 2017 में किसने जीता था BMC चुनाव?

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयुक्त (SEC) दिनेश वाघमारे ने आज BMC समेत राजय के 29 महानगरपालिकाओं के चुनावों के लिए विस्तृत शेड्यूल जारी किया। BMC चुनाव के लिए पहले महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी हलचल तेज हो गई है।

सत्तारूढ़ महायुति BJP, शिवसेना (शिंदे गुट) और NCP (अजित पवार) एक साथ चुनाव लड़ने के लिए तैयार नजर आ रही है। वहीं विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) के भीतर श्ए को लेकर मतभेद उभर आए हैं। शिवसेना (UBT) जहां राज ठाकरे की श्ए के साथ गठबंधन चाहती है, वहीं कांग्रेस को इससे उत्तर भारतीय वोटों के खिसकने का डर सता रहा है।

राजनीतिक गठबंधनों की स्थिति

आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक गठबंधनों की तस्वीर भी स्पष्ट हो रही है। महायुति के दल BJP, शिवसेना और NCP

एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, विपक्षी महा विकास आघाड़ी (MVA) महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (श्ए) के साथ संभावित गठबंधन को लेकर उलझन में है। जहां शिवसेना (यूबीटी) मनसे के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहती है, वहीं कांग्रेस उत्तर भारतीय वोटों के संभावित नुकसान के डर से आशंकित है। बता दें कि कुछ महीनों पहले राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मराठी के मुद्दे को के लेकर एक साथ आए थे। तब से दोनों के बीच बीएमसी समेत अन्य चुनावों में गठबंधन की चर्चाएं तेज हो गई थी। लेकिन अब तक दोनों ही पार्टियों की ओर से कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है।

बिल्डर समय चौहान हत्याकांड का मास्टरमाइंड कुख्यात गैंगस्टर सुभाष सिंह ठाकुर गिरफ्तार

MBVV पुलिस ने दाऊद इब्राहिम के मेंटोर रहे ठाकुर को यूपी के फतेहपुर जेल से किया गिरफ्तार

नजमुल हसन रिज़वी

वसईः मीरा-भायंदर-वसई-विरार (MBVV) पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा ने विरार के चॉल बिल्डर समय चौहान की हत्या के बहुचर्चित मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात गैंगस्टर सुभाष सिंह ठाकुर को उत्तर प्रदेश की फतेहपुर सेंट्रल जेल से हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, ठाकुर इस सनसनीखेज हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है। उसे मंगलवार को वसई लाया जाएगा। समय चौहान की 26 फरवरी 2022 को विरार के मनवेलपाड़ा इलाके में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को मकोका (MCOCA) के तहत गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में सामने आया है कि सुभाष सिंह ठाकुर ने जेल में रहते हुए शार्प शूटरों के माध्यम से हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिलवाया।

जेल से चला रहा था नेटवर्कः पुलिस के मुताबिक, सुभाष सिंह ठाकुर इससे पहले जे जे शूटआउट केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वर्ष 2019 से 2024 के बीच वह इलाज के नाम पर वाराणसी स्थित सर सुंदरलाल अस्पताल (BHU) में भर्ती रहा, जिसके चलते उसकी गिरफ्तारी लंबित थी। जनवरी 2025 में उसे पुनः फतेहपुर सेंट्रल जेल भेजा गया, जिसके बाद MBVV पुलिस ने उसे इस मामले में हिरासत में लेने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की। सोमवार को अपराध शाखा की एक टीम उत्तर प्रदेश गई और औपचारिक रूप से ठाकुर को अपनी हिरासत में लिया।

पुलिस अधिकारी का बयानः MBVV अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संदीप डोईफोडे ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि, 'समय चौहान हत्याकांड की जांच में सुभाष सिंह ठाकुर की भूमिका स्पष्ट रूप से सामने आई है। उसे फतेहपुर सेंट्रल जेल से हिरासत में लिया गया है और मंगलवार को वसई लाया जाएगा। आगे की पूछताछ में कई अन्य गंभीर मामलों के खुलासे की संभावना है। उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।'

दाऊद गैंग से संबंधः पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुभाष सिंह ठाकुर का नाम कभी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगियों में शामिल रहा है। उस पर हत्या, अपहरण और रंगदारी सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं, और उसके खिलाफ MCOCA तथा TADA के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

अमीर और गरीब की खाई 100 वर्षों के इतिहास में उच्चतम स्तर पर

लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तथ्यों के साथ उनकी असफलताओं को एक के बाद एक करके गिनाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चुपचाप उनके आरोपों को सुनती रहीं। लोकसभा में दीपेंद्र हुड्डा ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था को लेकर निर्मला सीतारमण के दावों की पोल खोली है उस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य भी शांत बैठकर सुनते रहे। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा- वित्त मंत्री ने कई रिकॉर्ड एक साथ बना लिए हैं। इसी के साथ ही उन्होंने एक-एक करके रिकॉर्ड भी गिना दिए, उन्हीं रिकॉर्ड में एक रिकॉर्ड यह भी उन्होंने बताया, कि पिछले सालों मे अमीर और गरीब के बीच जो फासला बढा है, यह अंतर पिछले 100 सालों में कभी देखने को नहीं मिला था। जो अंतर वर्तमान में देखने को मिल रहा है। अमीर और अमीर हो रहे हैं। गरीब और गरीब होता चला जा रहा है। लोकसभा में अनुदान मांग पर चर्चा के दौरान सांसद दीपेंद्र हुड्डा का भाषण केवल राजनीतिक आरोप के रूप में नहीं थे। उन्होंने एनडीए सरकार की 11 वर्षों की आर्थिक नीतियों का एक विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश कर दिया। इसी रूप में कई आरोप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मोदी सरकार पर लगाए। उन्होंने तथ्यों, आंकड़ों और सरकारी रिपोर्टों के हवाले से सवाल उठाया कि जिस 'रिकॉर्ड ग्रोथ' का ढोल पीटा जा रहा है, वह जमीनी हकीकत से ठीक विपरीत है। हुड्डा ने सबसे पहले सरकार द्वारा पेश विकास दर की विश्वसनीयता पर तथ्यों के साथ सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आईएमएफ ने हाल ही में भारत के सरकारी आंकड़ों को 'सी ग्रेड' की श्रेणी में डाल दिया है, जिससे स्पष्ट है सरकार के विकास के आंकड़े वास्तविकता से परे हैं। ग्रोथ के आंकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संदेह जताया जा रहा है। उनका तर्क था कि सरकार राजस्व के ग्रोथ के आधार पर विकासदर दिखा रही है। जबकि वास्तविक तस्वीर एक्सपेंडिचर ग्रोथ से सामने आती है, जो वास्तविकता में कम है। हुड्डा ने कहा, एनडीए के कार्यकाल में रुपया ऐतिहासिक रूप से पिछले 75 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। राजकोषीय घाटा 78 वर्षों के रिकॉर्ड स्तर पर गया है। अमीर-गरीब की खाई 100 साल के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है। देश की 40 प्रतिशत संपत्ति केवल 1प्रतिशत अमीरों के हाथों में पहुंच गई है। जो सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हुड्डा ने कॉरपोरेट कर्ज माफी, सरकारी नीतियों में पूंजीपतियों का प्रभाव सरकार के दौहरे कानून और दोहरी नीति पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा पिछले 10 वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बैंकों के राइट-ऑफ किए गए हैं। जिसके लाभ का बड़ा हिस्सा कॉरपोरेट सेक्टर के हिस्से मे गया है। एविएशन, टेलीकॉम, पोर्ट्स, एयरपोर्ट और मीडिया जैसे सेक्टर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों के हाथों में सिमटते जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के विकल्प खत्म हो रहे हैं। प्रतिस्पर्धा के स्थान पर कंपनियों का एकाधिकार बढ़ता चला जा रहा है। रोजगार के मोर्चे पर सरकार की विफलता का उल्लेख करते हुए कहा मैन्युफैक्चरिंग में लगातार रोजगार घट रहा है। कृषि क्षेत्र में लोगों को लौटना पड़ रहा है। लौटती वर्कफोर्स विकास नहीं, बल्कि विफलता का संकेत है।

राजस्थान में ₹100 करोड़ की एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश

एमबीवीवी एंटी-नारकोटिक्स सेल की बड़ी कार्रवाई

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, मीरा-भायंदर-वसई-विरार (MBVV) पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा की अंमली पदार्थ विरोधी पथक (ANC) यूनिट-01 ने राजस्थान के झुंझुनू जिले में संचालित एक बड़े एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में करीब ₹100 करोड़ मूल्य की एमडी ड्रग्स, प्री-कर्सर रसायन और निर्माण में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए गए हैं। मामले में एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले की शुरुआत 4 अक्टूबर 2025 को हुई, जब ANC यूनिट-01 के पुलिस अधिकारी गश्त के दौरान छह संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर उनकी तलाशी ले रहे थे। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 501.6 ग्राम एमडी ड्रग्स (कीमत लगभग ₹1 करोड़), ₹1.86 लाख मूल्य के 8 मोबाइल फोन और ₹4.10 लाख मूल्य की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

इस संबंध में काशीगांव पुलिस थाना में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(क), 22(क) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच बाद में ANC यूनिट-01 को सौंपी गई।

जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से अपराध में प्रयुक्त ₹20 लाख मूल्य की दो चार-पहिया गाड़ियां और एक मोटरसाइकिल, साथ ही ₹2.05 लाख मूल्य के 6 मोबाइल फोन जब्त किए गए। जांच आगे बढ़ने पर एमडी ड्रग्स के स्रोत और फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम को राजस्थान भेजा गया। 14 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम ने राजस्थान के झुंझुनू में छापा मारकर आरोपी अनिल विजयपाल सिहाग को गिरफ्तार किया और वहीं एक पूरी तरह सक्रिय एमडी ड्रग्स निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश किया।

फैक्ट्री से पुलिस ने करीब 10 किलोग्राम एमडी ड्रग्स, भारी मात्रा में प्री-कर्सर रसायन, और एमडी ड्रग्स निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री–जैसे फ्लास्क, मिक्सर, ड्रायर मशीन, वजन कांटा, फिल्टर, हैंड ग्लव्स आदि–जब्त की। जब्त कुल सामग्री की अनुमानित कीमत ₹100 करोड़ बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त का बयान

एमबीवीवी के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए बताया कि यह सफलता सुनियोजित और तकनीकी जांच का परिणाम है।

'यह कार्रवाई निरंतर फॉलो-अप, तकनीकी विश्लेषण और अंतरराज्यीय खुफिया समन्वय का नतीजा है। हमारी एंटी-नारकोटिक्स टीम ने सड़क स्तर के तस्करों से लेकर ड्रग्स निर्माण के स्रोत तक पूरी आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाया। राजस्थान में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हमारी बड़ी उपलब्धि है,' ऐसा निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, एमबीवीवी ने कहा।

उन्होंने आगे कहाः 'हमने इस केस में अबतक 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुके हैं। एमबीवीवी पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर काम कर रही है। चाहे स्थानीय स्तर हो या अंतरराज्यीय नेटवर्क–नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।'

फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है, जिसमें अन्य आरोपियों, वित्तीय लेन-देन और ड्रग्स वितरण नेटवर्क से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

अमरावती में मनपा चुनाव से पहले भाजपा-सेना की बंद कमरे में बैठक

होटल ग्रैंड महफिल में हुआ मंथन, प्रभाग 22 पर विशेष चर्चा

सहमति नहीं बनी तो वरिष्ठ करेंगे फैसला

अमरावती। महानगरपालिका चुनावों की सरगर्मी के बीच अमरावती की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राज्य स्तर पर भाजपा और शिवसेना के बीच युति की घोषणा के बाद अब शहर में भी दोनों दलों ने चुनावी तालमेल को लेकर गंभीर स्तर पर कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में शहर के होटल ग्रैंड महफिल में भाजपा और शिवसेना के प्रमुख पदाधिकारियों की बंद दरवाजा बैठक हुई। यह बैठक पूरी तरह मनपा चुनाव केंद्रित रही, जिसमें प्रभागवार राजनीतिक समीकरण, संभावित उम्मीदवारों और सीट बंटवारे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से प्रभाग क्रमांक 22 को लेकर मंथन हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार इस प्रभाग में दोनों दलों के पास सक्षम दावेदार होने के कारण सहमति बनाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा अन्य प्रमुख प्रभागों में उम्मीदवारों की स्थिति और आपसी तालमेल को लेकर भी चर्चा हुई। इस बैठक में भाजपा के मनपा चुनाव प्रभारी विधायक संजय कुटे और शिवसेना के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल के बीच चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रदेश सचिव व चुनाव प्रभारी जयंत डेहनकर, शिवसेना के पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटिल, शिवसेना जिला प्रमुख संतोष बद्रे सहित दोनों दलों के जिम्मेदार पदाधिकारी उपस्थित थे। 87 पार्षदों के चुनाव में भाजपा के पास प्रभागवार अपेक्षाकृत मजबूत दावेदार हैं, जबकि शिवसेना सीमित लेकिन प्रभावशाली उम्मीदवारों के सहारे रणनीति बना रही है। पहले चरण में प्रभाग स्तर पर सहमति बनाने का प्रयास होगा। यदि बात नहीं बनी, तो अंतिम निर्णय विधायक संजय कुटे और आनंदराव अडसूल के बीच चर्चा के बाद लिया जाएगा। हालिया बैठक के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि अमरावती महानगरपालिका चुनाव में भाजपा और शिवसेना का साथ तय माना जा रहा है–अब केवल औपचारिक घोषणा बाकी है।

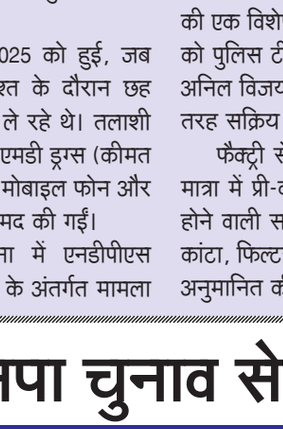

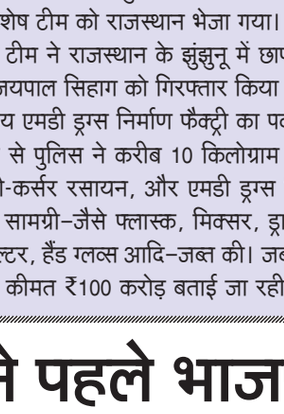

राष्ट्रवादी कांग्रेस से दूरी

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित युति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नाम सामने नहीं आया है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि एनसीपी इस बार महानगरपालिका चुनाव में अकेले उतर सकती है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि मुंबई के राजनीतिक समीकरणों का असर पूरे राज्य में भाजपा-सेना गठबंधन पर पड़ा है।

युवा स्वाभिमान की भूमिका पर सस्पेंस

इसी बीच विधायक रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी ने भाजपा के साथ तालमेल के संकेत दिए हैं, लेकिन वरिष्ठ स्तर पर अब तक इस संबंध में कोई स्पष्ट दिशा सामने नहीं आई है। ऐसे में इस मोर्चे पर स्थिति फिलहाल असमंजस की बनी हुई है।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

MEN IN BLACK
GLOBAL PROTECTION SERVICES
Contact: +91 93247 65876

बच्चों को सोशल मीडिया और मोबाइल से दूर रखना जरूरी: सोनाक्षी सिन्हा

हाल ही में बॉलीवुड के जाने-माने चेहरा जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा कपल मेटा मेटामॉर्फोसिस मास मीडिया सेलिब्रेशन में शामिल हुए, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के फैसले पर खुलकर अपनी राय रखी। इस मुद्दे पर सोनाक्षी और जहीर के विचार अलग-अलग नजर आए, लेकिन दोनों का फोकस बच्चों की सुरक्षा पर ही रहा। सोनाक्षी सिन्हा ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें लगता है यह कानून भारत में भी लागू होना चाहिए। उनके मुताबिक बच्चों को एक तय उम्र तक सोशल मीडिया और मोबाइल फोन से पूरी तरह दूर रखना जरूरी है। अभिनेत्री ने कहा कि जब तक बच्चा सही और गलत में फर्क करने लायक न हो जाए, तब तक उसे सोशल मीडिया की दुनिया में नहीं झोंकना चाहिए। सोनाक्षी का मानना है कि कम उम्र में सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक विकास और सोच पर नकारात्मक असर डाल सकता है, इसलिए सख्त नियमों की जरूरत है। वहीं जहीर इकबाल का नजरिया थोड़ा अलग रहा। उन्होंने पूरी तरह बैन लगाने के बजाय माता-पिता की जिम्मेदारी पर जोर दिया। जहीर ने अपने घर का उदाहरण देते हुए बताया कि उनकी भतीजी के पास आईपैड जरूर है, लेकिन उसमें सिर्फ बच्चों के लिए सुरक्षित कंटेंट ही उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चे जो चाहें, वो नहीं देख सकते, बल्कि माता-पिता को यह तय करना चाहिए कि उनके सामने क्या परोसा जा रहा है। जहीर के मुताबिक सोशल मीडिया या टेक्नोलॉजी को पूरी तरह बंद करना समाधान नहीं है, बल्कि सही तरीके से उसे नियंत्रित करना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, माता-पिता को और ज्यादा सतर्क रहना चाहिए और यह देखना चाहिए कि उनका बच्चा ऑनलाइन क्या देख और सीख रहा है। इसी बातचीत के दौरान सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर बढ़ती ट्रोलिंग पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज के समय में खुलेआम किसी को भी अपमानित करना बेहद आम हो गया है और इसके लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए। बता दें कि बॉलीवुड के पावर कपल जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ अपनी फिल्मों बल्कि सोशल मीडिया पर भी खासे एक्टिव रहते हैं। दोनों अक्सर अपने मस्ती भरे वीडियो और बेबाक विचारों के चलते सुर्खियों में रहते हैं।

अभिषेक बने टी20 में सबसे तेजी से 300 छक्के लगाने वाले भारतीय

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक को ये रिकार्ड बनाने के लिए तीन छक्के की जरुरत थी जो उसने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में तीन छक्के लगाते ही हासिल कर लिया। अभिषेक ने 5वें ओवर में ओट्टेनिल बार्टमैन के ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने अपने 300 छक्के पूरे किये। अभिषेक से पहले टी20 में सबसे तेजी से 300 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बल्लेबाज केएल राहुल के नाम था। राहुल ने 205 टी20 पारियों में 300 छक्के लगाये थे पर अभिषेक ने केवल 163 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की है। वहीं सबसे कम पारियों में 300 छक्के लगाने वाले भारतीयों में कप्तान सूर्यकुमार यादव अब वह खिसककर तीसरे नंबर पर फिसल गए हैं। यादव ने 251वीं पारी में 300 छक्के लगाये थे।

गौरतलब है कि टी20 में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड वेस्टंडीज के क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 455 पारियों में 1056 छक्के लगाये हैं। वह टी20 में 1000 छक्के जड़ने वाले पहले और एकमात्र बल्लेबाज हैं। वेस्टइंडीज के ही कायरन पोलार्ड ने 644 टी20 पारियों में 971 छक्के लगाये हैं और वह टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वालों में भारतीयों में रोहित शर्मा के नाम 450 पारियों में 547 छक्के छक्के हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 397 पारियों में 435 छक्के लगाये हैं जबकि तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं जिन्होंने 319 टी20 पारियों में 395 छक्के लगाये हैं।

अमरावती को मिला भरोसेमंद प्रहरीः

शहर में 'ओला इफेक्ट' की उम्मीद, सख्त मिज़ाज आईपीएस बने पुलिस आयुक्त

सुनिल इंगोले

अमरावती। शहर के पुलिस आयुक्त अरविंद चावरिया का कार्यकाल सात महीने भी पूरा नहीं हो पाया और शनिवार (13 दिसंबर) को उनका अचानक तबादला कर दिया गया। 20 मई 2025 को उन्होंने आयुक्त पद की कमान संभाली थी। उनकी जगह मुंबई में पदस्थ पुलिस उपायुक्त राकेश ओला को अमरावती शहर का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। ओला शीघ्र ही अमरावती पहुंचकर पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं, अरविंद चावरिया की आगे की नियुक्ति को लेकर अभी तक आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुए हैं। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश ओला सख्त अनुशासन, तेज़ निर्णय क्षमता और प्रभावी पुलिसिंग के लिए पहचाने जाते हैं। इससे पहले उन्होंने अहिल्यानगर (अहमदनगर) जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में उल्लेखनीय कार्य किया। हाल ही में वे मुंबई में पुलिस उपायुक्त के पद पर कार्यरत थे। पुलिस सेवा के शुरुआती दौर में ही ओला ने अपनी काबिलियत साबित कर दी थी। वर्ष 2014 में अहमदनगर जिले के श्रीरामपुर में पहली नियुक्ति के दौरान उन्होंने कुख्यात ईरानी गिरोह का पर्दाफाश कर विशेष पहचान बनाई। मई 2016 में सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील मालेगांव में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने संतुलित और सख्त भूमिका निभाई। इसके बाद जून 2017 में नागपुर में डीसीपी जोन-1 के रूप में उनकी नियुक्ति हुई, जहां उन्होंने कई अंतरराज्यीय

चोरी गिरोहों को बेनकाब किया और गंभीर अपराधों की जांच में उल्लेखनीय काम किया। उनके इसी व्यापक अनुभव और निडर कार्यशैली के चलते अमरावती में कानून-व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं।

अमरावती शहर में हाल के दिनों में अपराध की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। दिनदहाड़े हत्याएं, चोरियां, वरली-मटका, अवैध शराब कारोबार, गुटखा तस्करी के साथ-साथ गांजा और एमडी ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों का धंधा बेखौफ जारी है। इन हालातों को लेकर विधानसभा में विधायक खोडके ने भी मुद्दा उठाया था और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे। ऐसे समय में नव नियुक्त पुलिस आयुक्त राकेश ओला के सामने बढ़ती अपराध प्रवृत्ति पर सख्त अंकुश लगाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उनकी अब तक की बेदाग और प्रभावशाली कारकीर्द को देखते हुए शहरवासियों को भरोसा है कि वे अपराधियों की कमर तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अमरावती को उनसे बहुत उम्मीदें हैं–और ओला का ट्रैक रिकॉर्ड पढ़कर यह भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि शहर को एक मज़बूत, निडर और परिणाम देने वाला पुलिस नेतृत्व मिला है।

मीरा-भायंदर के लिए नया उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय शुरू; आधुनिक आरटीओ भवन का भूमिपूजन

संवाददाता शोएब म्यानुर मुंबई

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर में परिवहन सेवाओं और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करते हुए नए उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की शुरुआत की गई, वहीं आधुनिक

आरटीओ भवन के निर्माण का भूमिपूजन सोमवार, 15 दिसंबर को संपन्न हुआ। इसके साथ ही उत्तन स्थित उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय का भी औपचारिक उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, परिवहन विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नया उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय MH-58 (मीरा-भाईंदर) शहर की तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए स्थापित किया गया है। इस कार्यालय के शुरू होने से अब नागरिकों को परिवहन से जुड़ी सेवाओं के लिए ठाणे नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस कार्यालय से नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही सभी परिवहन सेवाएं उपलब्ध होंगी। 'वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, नवीनीकरण और अन्य परिवहन संबंधी सेवाएं अब मीरा-भायंदर में ही उपलब्ध होंगी, जिससे सेवा प्रक्रिया अधिक तेज और पारदर्शी बनेगी,' ऐसा उन्होंने कहा।

इस अवसर पर करीब ₹15 करोड़ की लागत से बनने वाले सुसज्जित और आधुनिक आरटीओ भवन का भूमिपूजन भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भूमि हस्तांतरण के बाद लंबे समय से चली आ रही स्थान की समस्या का समाधान संभव हो पाया।

'नई इमारत से सेवा क्षमता और प्रशासनिक कार्यकुशलता में उल्लेखनीय सुधार होगा,' मंत्री ने कहा।

उत्तन उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय का उद्घाटन मंत्रालय से दूरदृश्य प्रणाली (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के माध्यम से किया गया। इसी कार्यक्रम के दौरान मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं में सड़कें, नालियां, फुटपाथ, समाज भवन, सार्वजनिक उद्यान, खेल और व्यायाम सुविधाएं शामिल हैं, जो शहर की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगी। कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगी पाटिल ने किया, जबकि उप-प्रादेशिक परिवहन अधिकारी विवेक काटकर ने आभार व्यक्त किया।

मुंबई में बस स्टॉप के सामने वाइन शॉप में शराब सेवन का आरोप; उत्पादन शुल्क विभाग और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल

मुंबईः आतिश तिवारी

मुंबई स्थित 'SK Beer & Wine Shop', जोगेश्वरी पश्चिम - ओशिवरा में कथित रूप से महाराष्ट्र राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के नियमों का उल्लंघन हो रहा है, जिससे नियामक निगरानी और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं। इस दुकान को केवल शराब की खुदरा बिक्री के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है, लेकिन आरोप है कि ग्राहकों को दुकान के भीतर ही शराब पीने की अनुमति दी जा रही है, जो लाइसेंस की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है।

मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह वाइन शॉप सीधे सार्वजनिक बस स्टॉप के सामने और व्यस्त सड़क पर स्थित है, जहाँ प्रतिदिन महिलाएँ, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक, विद्यार्थी और आम यात्री आवागमन करते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लोग शराब खरीदकर उसी दुकान के भीतर उसका सेवन करते हैं, जिससे सार्वजनिक स्थान पर नियमित रूप से नशे की स्थिति बनी रहती है।

महाराष्ट्र राज्य उत्पादन शुल्क विभाग द्वारा जारी नियमों के अनुसार, वाइन शॉप को केवल सीलबंद बोतलों की बिक्री की अनुमति होती है। दुकान के भीतर शराब पीने की अनुमति देना लाइसेंस की गंभीर शर्तों का उल्लंघन है और इसके लिए लाइसेंस निलंबन या रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है।

इसके बावजूद, कथित उल्लंघन खुले, नियमित और सार्वजनिक रूप से होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है, जो निरीक्षण व्यवस्था और विभागीय जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर खतरा

जोगेश्वरी पश्चिम - ओशिवरा की 'SK Beer & Wine Shop' में कथित रूप से शराब की खुदरा बिक्री लाइसेंस का उल्लंघन किया जा रहा है और दुकान के भीतर शराब पीने की अनुमति देने के मामले में सार्वजनिक सुरक्षा और नियामक निगरानी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

बस स्टॉप जैसे सार्वजनिक परिवहन स्थल के सामने नशे में व्यक्तियों की मौजूदगी से यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा, असुविधा और भय का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था, शांति और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं।

अहम सवाल विभागों के लिए

महाराष्ट्र राज्य उत्पादन शुल्क विभाग सेः यदि लाइसेंस केवल खुदरा बिक्री के लिए है, तो दुकान के भीतर शराब सेवन कैसे हो रहा है?

क्या संबंधित स्थानीय उत्पादन शुल्क कार्यालय या फ्लाइंग स्क्वॉड ने कोई निरीक्षण किया है?

यदि उल्लंघन स्पष्ट है, तो अब तक लाइसेंस निलंबन या रद्द करने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस सेः

बस स्टॉप के सामने सार्वजनिक शराब सेवन को कैसे अनदेखा किया जा रहा है?

सार्वजनिक परिवहन स्थलों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी किसकी है?

यदि भविष्य में कोई अप्रिय घटना होती है, तो जवाबदेही किस अधिकारी की तय होगी?

नागरिकों ने इस पूरे मामले में तत्काल निरीक्षण, कठोर कार्रवाई और पारदर्शी जवाबदेही की मांग की है।

पाँच साल बाद हत्या के प्रयास मामले का खुलासा; एमबीवीवी क्राइम ब्रांच ने फरार आरोपी को दबोचा

मीरा-भायंदरः करीब पाँच वर्षों से लंबित एक गंभीर हत्या के प्रयास मामले में मीरा-भाईंदर-वसई-विरार (MBVV) पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा के खंडणी विरोधी पथक को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वर्ष 2020 से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश हरिलाल यादव (31) के रूप में हुई है, जो घटना के बाद से लगातार अपनी पहचान और ठिकाना बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। उसे नालासोपारा पूर्व के बिलालपाड़ा-धानिवबाग इलाके से गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए वलीव पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। यह मामला 22 मई 2020 का है। पुलिस के अनुसार, इनोवा कार को हाथ दिखाने की मामूली बात को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी और उसके साथियों ने रंजिश पालते हुए सलीम बाबूमिया सरदार और अजय तिवारी पर लोहे की सड़िया और लकड़ी के डंडों से जानलेवा हमला किया, जिससे दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आईं। शिकायतकर्ता मिराज बजरंग सिंह (26) पर भी हमला कर उसके सिर और बाएं हाथ पर वार किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

इस संबंध में वलीव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 341, 324, 323, 504, 506 और 34 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता के बावजूद मुख्य आरोपी पाँच वर्षों तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुराने और संवेदनशील मामलों को सुलझाने के लिए खंडणी विरोधी पथक ने विशेष जांच शुरू की और एक समर्पित टीम गठित की।

पुलिस अधिकारी का बयानः खंडणी विरोधी पथक के प्रभारी पुलिस निरीक्षक राहुल राख ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए गहन और तकनीकी जांच की गई। 'आरोपी घटना के बाद पूरी तरह भूमिगत हो गया था और लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। हमारी टीम ने पुराने सुरागों की दोबारा पड़ताल की और नई खुफिया जानकारी के आधार पर उसे गिरफ्तार किया,' राहुल राख, पुलिस निरीक्षक ने कहा। उन्होंने आगे बताया कि, 'यह गिरफ्तारी एक स्पष्ट संदेश है कि गंभीर अपराध समय के साथ समाप्त नहीं होते और कानून से भागने वालों को देर-सवेर न्याय के कटघरे में लाया जाता है।' फिलहाल आरोपी को आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया के लिए वलीव पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच जारी है।

महापालिका चुनाव में महाविकास आघाड़ी साथ-साथ, अमरावती में शशिकांत शिंदे-अनिल देशमुख का ऐलान

अमरावती। महापालिका चुनावों की घोषणा के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी को लेकर अब न सिर्फ संभावित

उम्मीदवार, बल्कि राजनीतिक दल भी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे और पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख सोमवार को एक दिवसीय अमरावती दौरे पर पहुंचे। दौरे के दौरान दोनों नेताओं ने विश्रामगृह में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। इसके बाद मराठी पत्रकार भवन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में उन्होंने शहर के पत्रकारों से बातचीत की। इस मौके पर शशिकांत शिंदे और अनिल देशमुख ने स्पष्ट किया कि आगामी महापालिका चुनाव महाविकास आघाड़ी संयुक्त रूप से ल ड़ेगी। सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के साथ समन्वय और चर्चा जारी है तथा आपसी सहमति से जल्द निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार की नीतियों और कथित दोहरी राजनीति से जनता परेशान हो चुकी है, जिसका असर मनपा चुनावों में साफ दिखाई देगा और सत्ता परिवर्तन होगा। नेताओं ने कहा कि राकांपा (शरद पवार गुट) चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी। युति और आघाड़ी को लेकर अंतिम निर्णय शीघ्र लिया जाएगा। महाविकास आघाड़ी का परचम लहराने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं और सीटों के बंटवारे के बाद उसी के अनुरूप आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस प्रेस वार्ता में शिवाजी शिक्षा संस्था के अध्यक्ष हर्षवर्धन देशमुख, पूर्व मंत्री अनिल देशमुख, जिलाध्यक्ष प्रा. हेमंत देशमुख, संगीता ठाकरे सहित पार्टी के अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।

अमरावती दहलीः भाजी बाजार में पवन वानखड़े की निर्मम हत्या, इलाके में तनाव

अमरावती। शहर के भाजी बाजार इलाके में सोमवार रात करीब साढ़े 7 से 8 बजे के बीच पवन वानखड़े की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। हत्या के विरोध में आक्रोशित लोगों ने भाजी बाजार में तोड़फोड़ की, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। डीसीपी श्याम घुगे ने तुरंत एक्शन मोड में आकर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया और पूरे भाजी बाजार क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी। मुंबई से अमरावती

में नए पुलिस आयुक्त के रूप में आने वाले राकेश ओला के पदभार संभालने से पहले ही यह गंभीर वारदात सामने आई, जिससे कानून-व्यवस्था को संभालना उनके लिए चुनौती बन गया है। डीसीपी श्याम घुगे ने कहा कि पुलिस ने हालात को नियंत्रण में ले लिया है और आरोपी जल्द ही पकड़ में आएंगे। पुलिस प्रशासन का भरोसा है कि अपराधियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक पुलिस पूरे भाजी बाजार और आसपास के इलाके में निगरानी बनाए हुए है। घटना के बाद किसी अप्रिय स्थिति की जानकारी नहीं मिली है और हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं।यह हत्याकांड अमरावती की शांति पर गहरा असर डालता है और भाजी बाजार में अपराधियों के बढ़ते हौसले को भी उजागर करता है।

सातारा में खिदमत ए खलक संस्था ने पेश की इंसानियत की मिशाल

उत्तर प्रदेश के एक हिंदु युवक को खिदमत ए खल्द द्वारा हिंदु रीति रिवाज से किया अंतिम संस्कार

सातारा । प्रतिनिधि- मुन्ना मुजावर

उत्तर प्रदेश के रामपुर मऊ निवासी विकास भारद्वाज (उम्र लगभग 39 वर्ष) रोज़गार की तलाश में सातारा आए थे। व्यक्तिगत कारणों के चलते उन्होंने 12 दिसंबर को आत्महत्या कर ली। अगले दिन 13 दिसंबर को उनके परिजन सातारा पहुँचे। लेकिन इस अचानक हुई दुखद घटना के कारण आर्थिक और अन्य परेशानियों के चलते, मृतक विकास भारद्वाज का हिंदू धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार करने के लिए आवश्यक सामग्री उनके पास उपलब्ध नहीं थी।

इस स्थिति में परिजनों ने सातारा पुलिस से मदद की गुहार लगाई। हमेशा की तरह मानवीय संवेदनाओं के साथ तत्पर रहने वाली सातारा पुलिस ने सामाजिक संस्था खिदमत-ए-खलक से संपर्क किया।

संस्था के अध्यक्ष सादिक भाई शेख के मार्गदर्शन में उपाध्यक्ष अब्दुल सुतार, आरिफ खान, हाफिज मुराद, आसिफ खान, शाहरुख शेख, मुस्तफा बागवान तथा अन्य स्वयंसेवकों ने पुलिस प्रशासन के सभी नियमों का पालन करते हुए माहुली घाट पर विकास भारद्वाज का हिंदू धर्म की विधि-विधान के अनुसार अंतिम संस्कार संपन्न कराया। इस अवसर पर मृतक विकास भारद्वाज के भाई विनोद भारद्वाज और अन्य परिजनों ने अश्रुपूरित आँखों से अपने प्रिय विकास को अंतिम विदाई दी। उत्तर प्रदेश से सातारा आकर, अपने भाई के पार्थिव शरीर पर परधर्मीय स्वयंसेवकों द्वारा दिखाई गई आत्मीयता और इंसानियत को देखकर परिजनों की आँखें नम हो गईं।

उनके मुख से भावुक होकर बस यही शब्द निकले–

'हमें हमारे प्यारे ने यह संदेश देकर गया कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है।' धर्म, भाषा और प्रांत की सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करने वाली इस घटना के कारण सातारा में खिदमत-ए-खलक संस्था के कार्य की सर्वत्र सराहना हो रही है।

बोपदेव घाट लॉज में पुणे पुलिस का छापा; बांग्लादेशी लड़की को लिया गया हिरासत में

मुन्ना मुजावर

पुणेः कोंढवा पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जो बांग्लादेशी लड़कियों को प्रॉस्टिट्यूशन के लिए उकसा रहे थे। पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया। यह कार्रवाई बोपदेव घाट इलाके में एक लॉज पर छापा मारकर की गई। इस मामले में लॉज के मैनेजर रवि छोटे गौड़ा (उम्र 46, निवासी येवलेवाड़ी, कोंढवा) और वर्कर सचिन प्रकाश काले (उम्र 40) को गिरफ्तार किया गया।

उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कोंढवा पुलिस की एक टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। पुलिस ऑफिसर अमोल हिरवे को सूचना मिली कि बोपदेव घाट इलाके में एक लॉज में बांग्लादेशी लड़कियों को प्रॉस्टिट्यूशन के लिए उकसाया जा रहा है। पुलिस ने जांच के लिए नकली कस्टमर भेजे। इसके बाद लॉज पर छापा मारा गया। वहां दो बांग्लादेशी लड़कियां मिलीं। जांच में पता चला कि लॉज का मैनेजर रवि गौड़ा इन लड़कियों को एक ब्रोकर के जरिए लाया था। जांच में पता चला कि उसने लड़कियों की मजबूरी का फायदा उठाया था। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लड़कियों को छुड़ाया है। ज़ोन 5 की इंचार्ज डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस राजलक्ष्मी शिवंकर की गाइडेंस में, कोंढवा पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर कुमार घाडगे, पुलिस वाले अमोल हिरवे, अरुण काइट, सुषमा हिंगमिरे, सोनाली कांबले, राहुल रसागे की टीम ने यह ऑपरेशन किया

बांग्लादेशी लड़कियों को बहला-फुसलाकर भारत लाया जाता है। उन्हें धमकाकर उनका जिस्म बेचने के लिए मजबूर किया जाता है। शक है कि इस मामले के पीछे एक इंटरनेशनल ह्यूमन ट्रैफिकिंग नेटवर्क है। जिन लड़कियों को हिरासत में लिया गया था, उन्हें बांग्लादेश के दलाल कम पैसे में भारत लाए थे। इस बारे में कोंढवा पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने गैर-कानूनी तरीके से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बुधवार पेठ में एक कोठे पर रेड मारकर बांग्लादेशी लड़कियों को हिरासत में लिया था। पुणे की एक अदालत ने हाल ही में दो बांग्लादेशी लड़कियों को गैर-कानूनी तरीके से रहने के लिए दो साल की सज़ा सुनाई थी। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि लड़कियों को उनकी सज़ा पूरी होने के बाद बांग्लादेश भेज दिया जाए।

धक्कादायक वारदातः गर्लफ्रेंड की शादी के एक महीने बाद पूर्व प्रेमी ने पति को बुलाकर उतारा मौत के घाट, प्रेम कहानी का खौफनाक अंत!

मुन्ना मुजावर

पुणे पुरंदर तालुका के मालशिरस में, एक महिला के पहले प्रेमी ने उसके पति के सिर पर कोयता से वार करके उसकी हत्या कर दी।

आरोपी द्वारा अपनी प्रेमिका से शादी करने के गुस्से में आकर यह हमला किया गया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटना में दीपक गोरख जगताप (निवासी राजेवाड़ी, तहसील पुरंदर) की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुशांत संदीप मपारी (निवासी मालशिरस, तहसील पुरंदर / मूल निवासी राहु, तहसील दाउद, जिला पुणे) हत्या के बाद फरार है।

जेजुरी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुरंदर तालुका के राजेवाड़ी निवासी मृतक दीपक जगताप का विवाह हाल ही में एक महीने पहले वाघापुर तालुका के पुरंदर निवासी पायल अमोल कांबले से हुआ था। मृतक दीपक जगताप उरुली कंचन स्थित एक निजी गैराज में काम करते थे। शादी के छह दिन बाद वे काम के सिलसिले में अपनी पत्नी के साथ उरुली कंचन में रहने चले गए। एक महीने तक सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी पायल के पहले प्रेमी सुशांत मपारी ने दोनों को उनके मोबाइल फोन और व्हाट्सएप पर फोन करके कहा, 'मैं पायल से शादी करने वाला था, तुम दोनों ने शादी क्यों की?' और: शनिवार, 13 दिसंबर को दीपक पायल के साथ राजेवाड़ी आया था। पायल को छोड़ने के बाद घर लौटते समय, सुशांत मापारी उसे लगातार फोन करता रहा। वह कहता रहा, 'मेरे पास पायल की जमानत है, इसे ले लो और शादी का अनुबंध रद्द कर दो।' इसी बहाने सुशांत दीपक से मिला। उसने दीपक को मालशिरस क्षेत्र के रामकाठी शिवरा में बुलाया। वहां आरोपी ने दीपक के सिर, गर्दन और पैरों पर धारदार दरांती से वार करके उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वह दरांती वहीं छोड़कर फरार हो गया।

पुणे में शिक्षा का मंदिर शर्मसार! निजी क्लास में छात्रों की गैंगवार, शिक्षक के सामने छात्र का गला रेतकर कत्ल

मुन्ना मुजावर

पुणे जिले की शैक्षणिक राजधानी खेड़ तालुका के राजगुरुनगर में एक चौंकाने वाली घटना ने पूरे शहर को दहला दिया है। एक निजी कोचिंग क्लास में पढ़ाते समय एक छात्र ने अपने सहपाठी का गला काटकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। दसवीं कक्षा में घटी इस हत्या की घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह घटना छात्रों के बीच हुए गिरोहवार का परिणाम हो सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह राजगुरुनगर शहर में दसवीं कक्षा के छात्रों की एक निजी कक्षा चल रही थी। जब शिक्षक कक्षा में पढ़ा रहे थे, तभी अचानक छात्रों के दो समूहों के बीच बहस छिड़ गई। इसी दौरान, एक छात्र ने गुस्से में आकर अपने बैग से एक धारदार चाकू निकाला और बेंच पर बैठे अपने दोस्त पर हमला कर दिया।

कक्षा के बाहर गला काट दिया गया

अचानक हुए इस हमले से कक्षा में अफरा-तफरी मच गई। अपनी जान के डर से पीड़ित छात्र भागकर कक्षा से बाहर निकल आया। लेकिन हमलावर ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। उसने कक्षा के बाहर ही उसे पकड़ लिया और उसका गला काट दिया। इस हमले के बाद पीड़ित छात्र खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

हमलावर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

इस भयावह घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी छात्र बाइक से मौके से फरार हो गया। इसी बीच, वहां मौजूद नागरिकों और कक्षा शिक्षक ने घायल छात्र को खून से लथपथ हालत से उठाकर तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, अत्यधिक रक्तस्राव के कारण डॉक्टरों ने इलाज से पहले ही उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र का नाम पुष्कर दिलीप शिंगाडे है।

माता-पिता डरे हुए थे; आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही खेड़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हत्या का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आशंका है कि यह छात्रों के बीच विवाद या गिरोहवार का मामला हो सकता है। हमला करने वाला छात्र और उसका साथी पुलिस स्टेशन में पेश हुए और अपना जुर्म कबूल कर लिया। दोनों नाबालिग आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस बीच, पढ़ाई के लिए कक्षाओं में गए बच्चों के साथ इस तरह की घटनाएँ होने से अभिभावकों में चिंता और भय का माहौल बन गया है। इस घटना ने निजी कक्षाओं में छात्रों की सुरक्षा के मुद्दे को एक बार फिर से सामने ला दिया है।

शहर को मिले 5 नए पुलिस स्टेशन, दो अतिरिक्त जोन बनाने का फैसला अंतिम

मुन्ना मुजावर

पुणेः शहर के बढ़ते फैलाव और कानून-व्यवस्था के मुद्दे को देखते हुए, राज्य सरकार ने रविवार को पांच और पुलिस स्टेशनों के साथ दो ज़ोन बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी। राज्य सरकार ने तीन डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस और छह असिस्टेंट कमिश्नर के पदों को भी मंज़ूरी दी है, और पुणे पुलिस को 830 अतिरिक्त पुलिस कांस्टेबल देने का फ़ैसला किया गया है।

अभी शहर में पांच ज़ोन हैं। दो नए ज़ोन के प्रस्ताव को मंज़ूरी मिलने के साथ ही, पुणे पुलिस फ़ोर्स में अब सात ज़ोन हो जाएंगे। लोहेगांव को एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन से, नरहे को सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन से, लक्ष्मी नगर को यरवदा पुलिस स्टेशन से, येवालेवाड़ी को कोंढवा पुलिस स्टेशन से, और मंज़री को हड़पसर पुलिस स्टेशन से बनाया जाएगा। नए पुलिस स्टेशनों को मंज़ूरी पुणे में पुलिस स्टेशनों की संख्या बढ़कर 44 हो जाएगी। शहर के बढ़ते फैलाव को देखते हुए, पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने पांच नए पुलिस स्टेशनों, अतिरिक्त मैनपावर और दो नए ज़ोन बनाने की मंज़ूरी के लिए फ़ाइनेंस और होम डिपार्टमेंट को एक प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव को मंज़ूरी देते हुए वित्त विभाग ने धनराशि भी उपलब्ध करा दी है।

नए बनाए गए जोन छह और सात के लिए दो करोड़ 36 लाख 48 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार और संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में आने वाले नए साल में नया थाना चालू हो जाएगा। जोन बनाने के लिए सहायक आयुक्त विवेक पवार ने शासन स्तर पर फॉलोअप किया था

पुणे पुलिस फोर्स में पुलिस स्टेशन के हिसाब से ज़ोन स्ट्रक्चर

ज़ोन एक - खड़क, फरासखाना, समर्थ, विश्रामबाग, शिवाजीनगर, डेक्कन

ज़ोन दो - स्वर्गेट, सहकारनगर, पार्वती, बिबवेवाड़ी, मार्केट यार्ड, भारती विद्यापीठ, अम्बेगांव

ज़ोन तीन - कोथरुड, वारजे मालवाड़ी, अलंकार, उत्तमनगर, नांदेड़ सिटी, सिंहगढ़ रोड, नरहे

ज़ोन चार - बानेर, चतुश्रृंगी, खड़की, विश्रांतवाड़ी, येरवडा, लक्ष्मीनगर

ज़ोन पाँच - येवालेवाड़ी, कोंढवा, वानावाड़ी, बंडगार्डन, कोरेगांव पार्क, लश्कर

ज़ोन छह - मुंधवा, हड़पसर, कालेपदल, फुरसुंगी, मंजरी, लोणी कालभोर

ज़ोन सात - लोणीकंद, वाघोली, लोहेगांव, एयरपोर्ट, खराडी, चंदननगर

शहर में पहले सात पुलिस स्टेशन चालू थे। शहर बढ़ रहा है। इसी सिलसिले में, पांच और नए पुलिस स्टेशन, दो सर्किल और एक्स्ट्रा मैनपावर का प्रपोज़ल भेजा गया था। सरकार ने पुणे पुलिस के प्रपोज़ल को मंज़ूरी दे दी है, और नया पुलिस स्टेशन जल्द ही चालू हो जाएगा।- अमितेश कुमार, पुलिस कमिश्नर

पिंपरी-चिंचवड में कानून-व्यवस्था मजबूतः दो नए पुलिस स्टेशन, परिमंडल सहित तीन नए उपायुक्त पद स्वीकृत

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः राज्य सरकार ने पिंपरी-चिंचवड़ शहर पुलिस फोर्स में दो नए पुलिस स्टेशन बनाने की मंज़ूरी दे दी है। इसके साथ ही, राज्य सरकार ने तीन डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस और छह असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस के पदों को भी मंज़ूरी दी है। इसके साथ ही, पिंपरी-चिंचवड़ शहर पुलिस फोर्स में चौथा ज़ोन बनाने की भी मंज़ूरी दे दी गई है।

इस बारे में आदेश होम डिपार्टमेंट के डिप्टी सेक्रेटरी तालुका भलवाने ने दिए हैं। इससे शहर पुलिस के काम में तालमेल आएगा। पुलिस कमिश्नर विनय कुमार चौबे ने इस पर लगातार नज़र रखी थी। उन्होंने 14 दिसंबर को पिंपरी-चिंचवड़ शहर में अपना तीन साल का करियर पूरा किया।

ज़ोन चार: पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस कमिश्नरेट में तीन ज़ोन थे। हर ज़ोन में प्रस्तावित पुलिस स्टेशनों को मिलाकर आठ पुलिस स्टेशन शामिल थे। इससे ज़ोन अधिकारियों के लिए निगरानी करना मुश्किल हो रहा था। बढ़ते क्राइम को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, पुलिस कमिश्नर विनय कुमार चौबे ने डायरेक्टर जनरल ऑफिस के ज़रिए राज्य सरकार को चौथा ज़ोन बनाने का प्रस्ताव भेजा था। इसे मंज़ूरी मिल गई है और इसके साथ ही दो असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस डिपार्टमेंट भी बढ़ जाएंगे।

नए ज़ोन की बनावट

ज़ोन एक पिंपरी ज़ोन - निगडी, चिंचवाड़, पिंपरी पुलिस स्टेशन

सांगवी ज़ोन - संत तुकाराम नगर, दापोडी, सांगवी,

ज़ोन दो हिंजेवाड़ी ज़ोन - हिंजेवाड़ी, बावधन

वाकड ज़ोन - रावेट, वाकड, कालेवाड़ी

ज़ोन तीन भोसरी MIDC ज़ोन - श्छ्ण भोसरी, भोसरी, दिघी

चाकन ज़ोन - चाकन नॉर्थ, चाकन साउथ, आलंदी

ज़ोन चार

देहू रोड ज़ोन - शिरगांव-परंदावाड़ी, देहू रोड, चिखली

म्हालुंगे MIDC - तलेगांव दाभाड़े, तलेगांव श्छ्ण, नॉर्थ म्हालुंगे MIDC, साउथ म्हालुंगे MIDC

तीन डिप्टी कमिश्नर, छह असिस्टेंट कमिश्नर

अभी पिंपरी-चिंचवाड़ सिटी पुलिस फोर्स में छह डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस और 12 असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस काम कर रहे हैं। अभी एक एडिशनल कमिश्नर ऑफ़ पुलिस काम कर रहा है। दो साल पहले पिंपरी-चिंचवड़ सिटी पुलिस फोर्स में एक और एडिशनल पुलिस कमिश्नर की पोस्ट को मंज़ूरी मिली थी। लेकिन, पुलिस कमिश्नर विनय कुमार चौबे ने एडिशनल पुलिस कमिश्नर की पोस्ट की जगह डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस की पोस्ट को डिमोट कर दिया था। अब वह पोस्ट हटा दी जाएगी और जो एडिशनल पुलिस कमिश्नर की पोस्ट पहले मंज़ूर थी, उसे बदला जाएगा और वहां भी ऑफिसर्स को अपॉइंट किया जाएगा। इसलिए, अभी काम कर रहे छह डिप्टी पुलिस कमिश्नर में से पांच असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर काम करते रहेंगे। अब सरकार ने तीन और डिप्टी पुलिस कमिश्नर और छह असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर की पोस्ट को मंज़ूरी दी है। इसलिए, शहर में आठ डिप्टी कमिश्नर और 18 असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर होंगे।

दो पुलिस स्टेशनों को मंज़ूरी

राज्य सरकार ने चाकण और आलंदी पुलिस स्टेशनों को चाकण साउथ और म्हालुंगे श्छ्ण पुलिस स्टेशनों में बांटकर नॉर्थ म्हालुंगे पुलिस स्टेशन बनाने को मंज़ूरी दे दी है। इसलिए, अब सिटी पुलिस फोर्स में साइबर समेत 25 पुलिस स्टेशन होंगे। दोनों पुलिस स्टेशनों के लिए दो चरणों में चार पुलिस इंस्पेक्टर, छह असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर, 13 सब-इंस्पेक्टर, 13 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर, 44 कांस्टेबल और 84 पुलिस कांस्टेबल के पदों को मंज़ूरी दी गई है।

चॉकलेट का लालच बना मौत की वजहः मावळ में 5 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या, सीसीटीवी से आरोपी समीर मंडल पकड़ा गया

मुन्ना मुजावर

पुणेः मावल तालुका के शिरगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आज एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। घर से लापता हुई 5 वर्षीय बच्ची का शव बरामद हुआ है। शिरगांव में, एक व्यक्ति ने घर के बाहर खेल रही बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर बहला-फुसलाकर घर से कुछ दूर ले गया और उसे प्रताड़ित कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने बच्ची के शव को झाड़ियों में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित बच्ची के माता-पिता शिरगांव की एक खिलौना फैक्ट्री में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। शाम को जब पति-पत्नी काम से घर लौटे तो उन्हें अपनी बेटी नहीं मिली, इसलिए उन्होंने इलाके में उसकी तलाश शुरू कर दी। घटना की सूचना शिरगांव पुलिस स्टेशन को भी दी गई। पुलिस, ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने पूरी रात बच्ची की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)